524

दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-7

DTVF OPT-24 **H-2407**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: TESHUKANT

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): hindi

Reg. Number:

Center & Date: Aug 16 (524)

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 4907831

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*
*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*
*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
							सकल योग (Grand Total)						

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

दृष्टि The Vision

खण्ड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) यद्यपि नेहरू रिपोर्ट औपनिवेशिक सत्ता को दिया गया मुंहतोड़ जवाब था, परंतु यह किसी को भी संतुष्ट नहीं कर सका। चर्चा कीजिये।

Although the Nehru Report was a befitting reply to the colonial authority, it could not satisfy anyone. Discuss.

"साइमन अभियान" के विरोध के पश्चात भारतीय राजनेताओं को एकमत से सार्वभौमिक रिपोर्ट बनाने की चुनौती दी गयी, जिसका परिणाम नेहरू रिपोर्ट (1928) के रूप में सामने आया।

औपनिवेशिक सत्ता को मुंहतोड़ जवाब

1. डोमिनियन स्टेटस की मांग → विदेश, रक्षा, संचार के अलावा सभी विषय हस्तांतरित
2. भाषा के आधार पर राज्यों का निर्माण व संघ की स्थापना
3. अवशिष्ट शक्तियाँ संघ को प्राप्त
4. पृथक निर्वाचन को समाप्त करना

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

असंतुष्टि का कारण

1. वास्तविक जवाब नहीं था, इसमें सार्वजनिक सार्वभौमिक सहमति नहीं थी, जिससे इसका क्रिया-न्वयन बाधित हुआ।

2. डोमिनियन दर्जे की माँग पर राष्ट्रवादी युवा जैसे जवाहरलाल नेहरू व सुभाषचंद्र बोस असंतुष्ट हुए तथा राष्ट्रीय आंदोलन को नयी दिशा दी।

3. पृथक निर्वाचन वापस लेने के प्रस्ताव से लखनऊ और खिलाफत वार्ता भंग हुआ, जिन्ना और मोहम्मद इकबाल इससे असंतुष्ट होकर पृथक पाकिस्तान की माँग को प्रेरित हुए।

4. जातिगत-सामाजिक पिछड़े लोगों के लिए विशेष प्रावधान न होने से अंबेडकर ने असंतुष्टि जतायी।

5. हालांकि इसके बावजूद नेहरू रिपोर्ट इस रूप में महत्वपूर्ण रहा कि इसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन के लक्ष्य, स्वशासन स्पष्ट हो गये।

दृष्टि The Vision

(b) विवेकानंद ने अपने कार्यों एवं विचारों से भारत को सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से पुनर्जागृत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। टिप्पणी कीजिये।

Vivekananda played an important role in reviving India socially and culturally through his actions and ideas. Comment.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रामनंद परमहंस के शिष्य व अद्वैतवादी दार्शनिक विवेकानंद द्वारा शिकागो भाषण (1893) के माध्यम से अपनी क्षमता को प्रकट किया तथा इस क्षमता का प्रयोग सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में किया गया।

सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में भूमिका

1. विवेकानंद द्वारा अद्वैतवादी दर्शन के तहत एकेश्वरवाद को प्रकाशित करते हुए धार्मिक एकता को प्रकट किया गया।
2. इनके अनुसार धर्म किसी किताब में नहीं, बल्कि मानव मानसिक ज्ञान, ऊर्जा व स्वच्छता में है, जिसका प्रयोग जनकल्याण में होना चाहिए।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4. "दरिद्र नारायण" की संकल्पना से सेवाभाव को प्रकट किया तथा जातिगत भेदभाव व रूढ़िवाद को तोड़ने की बात कही।

5. रूढ़िवाद को तोड़कर भारतीयों को बाहरी विश्व से पृथकवादी दृष्टिकोण को त्यागना चाहिए और पाश्चिम जगत से भी सीखना चाहिए।

6. पाश्चिम से तकनीकी ज्ञान और सभ्यता के गुण सीखे जा सकते हैं वहीं भारत सांस्कृतिक आध्यात्मिक ज्ञान पाश्चिम जगत को दे सकता है।

6. समन्वित दृष्टिकोण के तहत शिक्षा प्राप्त लोगों को निचले तबके तक शिक्षा पहुंचाना चाहिए यह उनका राष्ट्रधर्म है।

7. मूर्तिपूजा के संदर्भ में कहा कि जिस प्रकार कालकोट से वकील की पहचान होती है उसी प्रकार मूर्ति से ईश्वर की प्रेरणा है।

इस प्रकार सामाजिक रूढ़ियों को तोड़कर सांस्कृतिक जागृति के माध्यम से राष्ट्रवाद का आध्यात्मिक आधार तैयार किया।

दृष्टि The Vision

(c) भारत छोड़ो आंदोलन को देश से बाहर एक नई अभिव्यक्ति दिलाने में आज़ाद हिंद फौज की भूमिका पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।
Briefly comment on the role of the Azad Hind Fauj in getting the Quit India movement a new expression outside the country.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1940 के दशक में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम अपने चरम पर थी। आंतरिक विरोधों के माध्यम से, जो भारत छोड़ो आंदोलन के रूप में आयी, तो आजाद हिंद फौज ने बाहरी दबाव का प्रयोग किया।

नई अभिव्यक्ति दिलाने में आजाद हिंद फौज की भूमिका

1. मोहन सिंह के प्रयासों से द्वितीय विश्वयुद्ध में अंग्रेजी सेना से शामिल तथा जापानी कैदी भारतीय सैनिकों को साधन के रूप में प्रयोग किया गया।

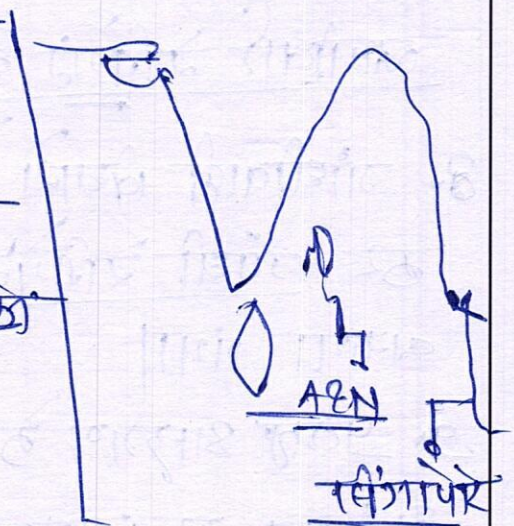

2. इसका प्रयोग प्रत्यक्ष कार्यवाही के माध्यम से

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशीक सत्ता को उखाड़ फेकना था।

4. सुभाषचंद्र बोस की प्रेग्मेटिक विचारधारा का प्रभाव पड़ा।

5. बोस द्वारा जर्मनी- जापान से सहयोग की नीति अपनायी गयी। (धुरी शक्ति)

6. बोस द्वारा आजाद हिंद फौज को संगठित किया गया

6. इसके लिए दान-सहायता के माध्यम से फंडिंग की व्यवस्था की गयी (b) बोस का अनुदान

7. महिला सिपाहियों की भूमिका के लिए लक्ष्मीबाई रेजिमेंट की स्थापना की गयी।

8. गांधीवादी विचारो से प्रेरित सैनिको एक जुट कर गांधी रेजीमेंट व जवाहर रेजीमेंट बनाया गया।

9. प्रत्यक्ष आक्रमण के माध्यम से रंगून पर नियंत्रण का प्रयास हुआ।

आंशिक सफलता व असफलता के बावजूद राष्ट्रवाद को चरम तक पहुँचाने में इसका योगदान रहा जो INA case Delhi में प्रकट हुआ।

(d) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि ईश्वर चंद्र विद्यासागर को एक सुधारक के रूप में राममोहन राय का उत्तराधिकारी माना जा सकता है?
Do you agree with the view that Ishwar Chandra Vidyasagar can be considered the successor of Rammohan Roy as a reformer?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन की नींव रखनेवाले के तौर पर राजाराममोहन राय को देखा जाता है, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण पर अपना जीवन व्यय किया, इसी पथ पर चलते हुए विद्यासागर के प्रयास उन्हें राय के उत्तराधिकारी बनाते है।

सुधारक के तौर पर राय के उत्तराधिकारी

1. राय द्वारा सती प्रथा का विरोध किया गया, विद्यासागर द्वारा विधवा पुनर्विवाह को प्रेरित किया गया।
2. राय ने वैधानिक सहायता ली और वैदिक

के सहयोग से सती प्रथा प्रतिबंधन अधि० 1829 पारित कराया, इसी प्रकार विद्यासागर द्वारा विधवा पुनर्विवाह अधि० 1860 में योगदान दिया गया।

4० राय ने बालविवाह को रूढ़िवादी माना तथा ब्रह्मसमाज के नेता केशवचंद्र सेन द्वारा विवाह की आयु में वृद्धि के प्रयास किये गये।

विद्यासागर द्वारा बाल विवाह के विरोध में बालशिक्षा को प्रेरित किया गया।

5० राय - पत्रकारिता का प्रयोग - संवाद कौमुदी
विद्यासागर - पत्रकारिता - बालदर्पण

6० शिक्षण संस्था - राय - कलकत्ता हिंदू कॉलेज
विद्यासागर - बंगबंधु विद्यालय

इस प्रकार दोनों सामाजिक सुधारकों के प्रयास से राष्ट्रीय आंदोलन का सामाजिक आधार व्यापक हुआ।

दृष्टि The Vision

(e) "लखनऊ समझौता केवल एक अस्थायी विराम समझौता था।" स्पष्टीकरण कीजिये।

"The Lucknow agreement was only a temporary break agreement." Explain.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

होमरूल लीग की सफलता और राष्ट्रीय आंदोलन के सामाजिक आधार को व्यापक करने लिए एनी बेसेंट व तिलक के नेतृत्व में लखनऊ समझौता (1915-16) किया गया।

इसके तहत मुस्लिम पृथक निर्वाचन को कांग्रेस अधिवेशन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी।

यह "फूट डालो और राज करो" की नीति के विरुद्ध भारतीय अनुकरण था।

अस्थायी विराम समझौता

1. इससे होमरूल आंदोलन को व्यापक आधार मिला

2. प्रथम विश्वयुद्ध में ऑटोमन साम्राज्य का

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विजय होने के कारण भारतीय मुसलमान अंग्रेजों के प्रति असंतुष्ट हुआ।

4. खलीफा के असम्मान के मुद्दे पर खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन का उदय हुआ।

5. अलगाववाद प्रकट होना

A. खिलाफत आंदोलन की असफलता से भारतीय मुसलमान असंतुष्ट होकर राष्ट्रीय आंदोलन से अलग होते नजर आये।

B. इस प्रतिक्रिया से अन्य भारतीयों के मन में सांप्रदायिकता आयी।

C. नेहरू रिपोर्ट के दौरान पृथक निर्वाचन की अस्वीकृति।

D. जिन्ना, इकबाल, चौधरी के प्रयासों से पृथक पाकिस्तान की मांग की गयी।

इस प्रकार सांप्रदायिक एकता का प्रयास अस्थायी रहा जो देश के विभाजन के रूप में सामने आयी।

दृष्टि The Vision

2. (a) "भारत को औपनिवेशिक और पूर्व-औपनिवेशिक युग से अपनी आर्थिक और प्रशासनिक संरचनाएँ विरासत में मिली थीं लेकिन राष्ट्र निर्माण में इसे प्रेरित करने वाली अच्छी तरह से परिभाषित और व्यापक विचारधारा राष्ट्रीय आंदोलन से आई थी।" टिप्पणी कीजिये। 20

"India had inherited its economic and administrative structures from the colonial and pre-colonial era but the well-defined and comprehensive ideology that inspired it in nation building came from the national movement." Comment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत के आर्थिक-प्रशासनिक ढाँचे की मध्ययुगीन प्रकृति का परिणाम औपनिवेशिक शासन के रूप में सामने आया तथा औपनिवेशिक शासन के दौरान शोषण व धननिकासी को तेज करने के लिए इस संरचना में सुधार हुए किंतु इससे राष्ट्र निर्माण नहीं हुआ, जैसा राष्ट्रनिर्माण राष्ट्रीय आंदोलन से अभिप्रेरित था।

पूर्व औपनिवेशिक युग से आर्थिक-प्रशासनिक विरासत

1. प्रशासनिक निरंकुशता के कारण सामाजिक आधार कमजोर था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. सामंतवाद से युक्त राजस्व प्रणाली से कृषि का विकास बाधित था।

3. राज्यों के विभाजन से भारतीय एकता के तत्व अनुपस्थित थे।

4. आपसी संघर्ष (ए) मराठा-मैसूर

औपनिवेशिक आर्थिक प्रशासनिक संरचना

1. द्वैधशासन के माध्यम से "दायित्वविहीन अधिकारों का उपभोग किया गया।"

2. भूराजस्व की नीतियों से अधिशेष की प्राप्ति और आर्थिक शोषण

स्थायी बंदोबस्त → जमींदारी शोषण

रैयतवाड़ी → महाजनी शोषण

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. प्रशासनिक सुधारों का उद्देश्य औपनिवेशिक हितों से

ICS	न्यायिक ढांचा
• भारतीयकरण नहीं	• भेदभावमूलक
• सामंतवादी	• राजस्व विवादों को सुलझाने

4. सुधार अधिनियमों से कंपनी का शासन

राष्ट्रीय आंदोलन से राष्ट्रनिर्माण

A. सामाजिक सुधार आंदोलन

1. सामाजिक बुराईयों को गुलामी का आधार माना
2. राय द्वारा सती प्रथा विरोधी, केशवचंद्र सेन द्वारा बालविवाह विरोधी, विद्यासागर द्वारा विधवा विवाह की प्रेरणा।
3. ज्योतिबा फुले द्वारा जातिगत भेदभाव का विध्वंस
4. विवेकानंद व दयानंद सरस्वती द्वारा

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रवाद के सांस्कृतिक आधार।

३० उदारवादी व उग्रवादी चरण

१० राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना
- मद्रास महाजन सभा, कांग्रेस (INC)

२० आर्थिक शोषण को प्रकट करना
- दादाभाई नौरोजी - "धन निकासी सिद्धांत"

३० जनआंदोलन की प्रेरणा - तिलक द्वारा
स्वदेशी व बंगभंग आंदोलन

४० वैधानिक प्रयास - 1892 का अधिनियम।

८० गांधीवादी चरण में राष्ट्रनिर्माण

१० सत्याग्रह - अहिंसा
२० किसानों का मुद्दा
३० हरिजन का मुद्दा
→ सामाजिक आधार व्यापक

४० कांग्रेस का संविधान लिखना।

इस प्रकार राष्ट्रनिर्माण, राष्ट्रचेतना के मानसिक अभिव्यक्ति है, न कि केवल संरचना निर्माण।

(b) औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत में सांप्रदायिकता किन विभिन्न चरणों में प्रकट हुई? सांप्रदायिकता की औपनिवेशिक और राष्ट्रवादी विचारों के संदर्भ में व्याख्या कीजिये। 15

What were the different stages in which communalism manifested itself in India during colonial rule? Explain with reference to colonial and nationalist views on Communalism. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में प्रकाशित इतिहास की किताब "India that is Bharat" में सांप्रदायिकता के विकास को नये दृष्टिकोण से परिभाषित किये जाने का प्रयास किया गया है।

सांप्रदायिकता का अर्थ, जब धर्म के आधार हितों की भिन्नता, हितों में अलगाव, व हितों की टकराहट को प्रकट करके द्वेष को बढ़ाया जाता है।

औपनिवेशिक भारत में सांप्रदायिकता के विभिन्न चरण

1. 19वीं सदी का उत्तरार्द्ध

A. J. साई दीपक के अनुसार वहाबी आंदोलन?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जो था धार्मिक नारों से प्रेरित था, इसका प्रारंभ माना जा सकता है।

B. सैय्यद अहमद खाँ द्वारा धार्मिक रूप से प्रेरित उद्देश्यों के द्वारा औपनिवेशिक सहयोग को साधन के रूप में प्रयोग किया गया।

C. सैय्यद अहमद खाँ ने कांग्रेस की स्थापना का स्वागत नहीं किया और मुसलमानों को राजनीति से पृथक रहने के लिए प्रेरित किया।

2. 20वीं सदी में साम्प्रदायिकता

A. कर्जन की नीति – "फूट डालो और शासन करो"

B. बंगाल का विभाजन – धर्म के आधार पर

पश्चिम बंगाल	पूर्वी बंगाल
बंगला अल्पसंख्यक	मुस्लिम बहुसंख्यक

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

c. शिमला बैठक का आयोजन → मुस्लिम लीग की स्थापना

d. 1909 (मार्ले मिंटो अधिनियम) → पृथक निर्वाचन

e. Detente (शांतिकाल)
- लखनऊ समझौता
- खिलाफत आंदोलन

f. असहयोग-खिलाफत की असफलता से धार्मिक तत्वों को राजनीति में प्रवेश का अवसर [७] मोपला विद्रोह

g. नेहरू रिपोर्ट से आग में घी (1928)

H. जिन्ना व इकबाल द्वारा पृथक राष्ट्र का उद्घोष

I. प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस व पाकिस्तान की स्थापना।

औपनिवेशिक विचारक जैसे स्ट्रेची व जेम्सामिल के अनुसार देश धर्म के आधार पर पहले से ही विभाजित था, किंतु राष्ट्रवादी विचारक इसे औपनिवेशिक शासन के उत्पाद के रूप में परिभाषित करते हैं।

(c) मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिये। उन्होंने प्रशासनिक हस्तांतरण की नीति को कहाँ तक लागू किया? 15

Explain the main features of Montagu-Chelmsford Reforms. How far did they implement the policy of administrative devolution? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध के बाद औपनिवेशिक शासन की मजबूती व असंतोष को कम करने के उद्देश्य से 1919 अधि०(मोंटग्यू-चेम्सफोर्ड) सुधार लाया गया।

1919 अधिनियमों की विशेषताएँ

1. केंद्रीय विधान सभा में द्विसदनीय पद्धति को अपनाया गया। यह उच्च सदन व निम्न सदन से युक्त थी।

2. राज्य/प्रांत विधानपरिषद में द्वैधशासन पद्धति को अपनाया गया।

3. द्वैधशासन के तहत गैर-सरकारी सदस्यों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को बहुमत की नीति तथा मंत्रीपरिषद निर्माण।

5. द्वैधशासन के तहत हस्तांतरित विषय, आरक्षित विषय व असाधारण शक्तियां।

6. प्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति को पहली बार अपनाना।

6. परिसंघीय सिविल सेवा आयोग की स्थापना की घोषणा।

7. अधिनियम व प्रशासनिक संरचना की जांच के लिए 10 वर्ष बाद आयोग का निर्माण।

6. साइमन कमीशन

प्रशासनिक हस्तांतरण की नीति के निहितार्थ

A. इसके तहत हस्तांतरित विषय में चुनी हुई सरकार का अधिकार था

B. यह विषय स्थानीय शासन, औद्योगिक विकास, कृषि व स्वास्थ्य आदि थे।

C. वित्त, रियासत से संबंध, पुलिस प्रशासन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियुक्ति जैसे अधिकारों को आरक्षित रखा गया।

5. बिना वित्तीय अधिकार के सभी अधिकार पंगु थे।

- औद्योगिक विकास बाधित हुआ
- स्वास्थ्य अवसंरचना का विकास नहीं
- स्थानीय सरकार तक वित्त बाधित
- कृषि पर अधिकार किंतु राजस्व नहीं

6. पुलिस प्रशासन पर अधिकार नहीं होने से शांति व्यवस्था व शोषण पर नियंत्रण नहीं।

इसी प्रकार वीटो के प्रयोग से

यह सभी अधिकारविहीन दायित्वों की सूची थी।

इसके सुधार करते हुए 1935 के अधि. से द्वैध शासन को समाप्त किया गया।

3. (a) "जब देश मे पश्चिमी शिक्षा से प्रेरित मानवतावादी और समतावादी सामाजिक आंदोलनों का दौर आरंभ हुआ तो इसका नारी की आज़ादी और उद्धार पर भी व्यापक प्रभाव पड़ा।" विश्लेषण कीजिये। 20

"When the era of humanist and egalitarian social movements inspired by Western education started in the country, it also had a wide impact on the freedom and salvation of women." Analyze. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) भारत में 20वीं सदी के आरंभ में क्रांतिकारी उग्रपंथ आरंभिक जन-आंदोलन के सफल न होने पर बंगाली मध्यवर्गीय युवाओं के द्वारा वैयक्तिक शौर्य के कार्यों में सांत्वना ढूंढने का प्रयास था। टिप्पणी कीजिये। 15

In the early 20th century India, the failure of initial mass movement inspired revolutionary extremism, which was an attempt of the Bengali middle-class youth to find consolation by personal heroism. Comment. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) 1924 से 1929 तक के रचनात्मक कार्य ग्रामीण भारत की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं के समाधान के रूप में स्पष्टत: असफल रहे तथापि इसने विभिन्न नए वर्गों में कॉन्ग्रेस के जनाधार को विस्तृत किया। विवेचना कीजिये। 15

The creative work from 1924 to 1929 clearly failed as a solution to the social and economic problems of rural India, however it expanded the base of congress in different new sections of society. Discuss. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. (a) श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्वपनों ने भारतीय राष्ट्रवाद को मज़बूत किया और लोगों को एकीकृत भारत की ओर अग्रसर किया। टिप्पणी कीजिये। 20

Shyama Prasad Mookerjee's dreams strengthened Indian Nationalism and steered people towards unified India. Comment. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) औपनिवेशिक भारत ने हमेशा भाषायी आधार पर संगठित स्वतंत्र भारत की कल्पना की थी, लेकिन उनके साथ विश्वासघात किया गया। समालोचनात्मक जाँच कीजिये। 15

A colonial India had always imagined an independent India organized on a linguistic basis, but they were betrayed. Critically examine. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) भारत शासन अधिनियम 1935 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा दासता का चार्टर कहा गया था। इस संदर्भ में भारत शासन अधिनियम, 1935 की विशेषताओं का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 15

The Government of India Act 1935 was called the charter of slavery by Jawaharlal Nehru. In this regard critically analyze the features of the Government of India Act of 1935. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड - ख / SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) "गांधी और नेहरू के बीच संबंध बहुआयामी थे। व्यक्तिगत स्तर पर इन्हें एक गहरे प्रेम और आपसी प्रशंसा द्वारा चिह्नित किया गया था। राजनीतिक स्तर पर दोनों नेताओं ने बातचीत, बहस और एक साथ काम करने की लंबी प्रक्रिया के दौरान एक-दूसरे को संयमित रखा एवं संबंधों को आकार दिया एवं उन्हें संशोधित करके बेहतर बनाया।" टिप्पणी कीजिये।

"The relationship between Gandhi and Nehru was multi-dimensional. At a personal level, it was marked by deep love and mutual admiration. At a political level, the two leaders restrained, shaped, modified and corrected each other in a long process of dialogue, debate and working together." Comment.

गाँधीवादी आंदोलन का प्रारंभ 1920 के दशक में स्पष्ट रूप से सामने आया तथा इसी दशक के अंत में 1928 में नेहरु रिपोर्ट पर असहमति के बाद जवाहर लाल नेहरु के राजनीतिक कद में वृद्धि हुई।

आपसी बातचीत

1. नेहरु-गाँधी दोनो ही गाँधीवादी मार्गों से संचालित थे।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. अहिंसा व सत्याग्रह के मार्ग के समर्थक थे।

3. नेहरू ने गांधीवादी आंदोलन के सामाजिक आधार में वृद्धि के लिए पदयात्रा की।

4. नेहरू द्वारा औपनिवेशिक शासन के विरोध में जेल भेजा गया।

बहस के रूप

1. बारदोली प्रस्ताव से ~~असहयोग म~~ की असहयोग की वापसी युवा नेहरू असंतुष्ट

2. लाहौर अधिवेशन में 'स्वशासन' की उद्घोषणा।

3. भगतसिंह के मुद्दे पर।

हालांकि दोनों का आपसी सम्मान उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रणेता बनाते हैं।

दृष्टि The Vision

(b) "भारत के भाग्य में अपना विश्वास कभी मत खोना। पृथ्वी पर कोई शक्ति नहीं जो भारत को बंधन में रख सके, भारत आजाद होगा और वह भी जल्द ही।" उपरोक्त कथन के आलोक में सुभाष चंद्र बोस द्वारा परिकल्पित स्वतंत्रता के उद्देश्य की चर्चा कीजिये।

"Never lose your faith in the destiny of India. There is no power on Earth that can keep India in bondage. India will be free, that too, soon." In the light of the above statement discuss the motive of freedom as envisioned by Subash Chandra Bose.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बोस द्वारा भारत के परिपक्व होते राष्ट्रवाद को उपरोक्त उद्धरण के माध्यम से स्पष्ट किया गया है जिस प्रकार अमेरिका औपनिवेशिक गुलामी से आजाद हुआ वही लक्षण भारत के भी है, जो ज्यादा देर तक गुलाम नहीं रहेगा।

बोस द्वारा परिकल्पित स्वतंत्रता का उद्देश्य

1. बोस उग्र राष्ट्रवाद पर विश्वास करते थे।
2. वे उग्रवाद व प्रत्यक्ष सैनिक विद्रोह या कार्यवाही के माध्यम से स्वतंत्रता की प्राप्ति

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चाहते थे।

3. बोस द्वारा प्रारंभिक दौर में गांधीवादी पद्धति का अनुसरण किया गया। असहयोग आंदोलन से सम्मिलित हुए।

4. त्रिपुरी अधिवेशन में अध्यक्षता त्यागकर फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।

5. आंतरिक कार्यवाही द्वारा ~~आजाद हिंद फौज को~~ संगठित किया

6. वे बंधन मुक्त समाजवाद के ढांचे में समानता युक्त राष्ट्र की परिकल्पना से संचालित थे।

7. वे सैन्य कार्यवाही से आजादी के प्रणेता थे, किंतु शासन पद्धति में लोकतंत्र व गांधीवादी मार्ग के समर्थक थे।

8. अपनी सेना में नारी को स्थापित किया।

इस प्रकार आजादी की लड़ाई की

विभिन्न धाराएं थी किंतु लक्ष्य में एकरूपता थी।

(c) स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और स्वतंत्रता के बाद के भारत में सी. राजगोपालचारी के योगदान पर चर्चा कीजिये।
Discuss the contribution of C. Rajagopalchari in the freedom struggle and post-independence India.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी एक उदारवादी व गांधीवादी राजनेता थे। उनकी समझौतावादी प्रकृति सृजन पर बल देती थी न कि विभाजन व विखण्डन पर।

स्वतंत्रता संग्राम में C राजगोपालाचारी की भूमिका

1. गांधीवादी आंदोलन के प्रणेता
2. सविनय अवज्ञा के दौरान मद्रास प्रांत में नमक कानून को तोड़ने में भूमिका।
3. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी किंतु उनके विचारों का प्रयोग किया गया।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वशासित राज्यों का निर्माण अतः विचारों से प्रेरित था।

५. राजगोपालाचारी फार्मूला

A. भारत व पाकिस्तान की स्थापना,

B. किंतु दोनों एक ही संघ से संचालित

C. संघ के पास विदेशी, रक्षा व संचार के विषय

महात्मा गांधी की इस पर सहमति किंतु जिन्ना द्वारा कहा गया कि इसे लगड़ा पाकिस्तान नहीं चाहिए।

आज़ादी के बाद — प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल के रूप में नियुक्त हुए तथा संविधान निर्माण व राष्ट्रपति के निर्वाचन तक भारतीय संप्रभुता को संरक्षित रखा।

दृष्टि The Vision

(d) 1930 के दशक से भारतीय महिलाओं ने अपनी स्थूल पहचान को तोड़कर उपनिवेश विरोधी और लोकतांत्रिक आंदोलनों में तेज़ी से भाग लिया। चर्चा कीजिये।

Indian women, cutting dross identities increasingly participated in the anti-colonial and democratic movements since 1930s. Discuss.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1930 का दशक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रखर लोकप्रियता का काल था। इसमें राष्ट्रीय आंदोलन का सामाजिक आधार वृद्ध हुआ और महिलाओं का समावेशन हुआ।

भारतीय महिलाओं की लोकतांत्रिक आंदोलन में भागीदारी

A. सविनय अवज्ञा के आंदोलन में गांधीवादी आंदोलन में प्रवेश

प्रेरक तत्व

1. गांधीवादी अहिंसा व सत्याग्रह की पद्धति

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. रचनात्मक कार्यों में भूमिका

3. नमक का मुद्दा

4. शराब विरोधी आंदोलन के प्रणेता।

B. कांग्रेस के महिला नेताओं के प्रयास

- सरोजनी नायडु (धरासना में नमक आंदोलन)

ऐनी बेसेंट, अरुणा आसफ अली का योगदान

- भूमिगत कार्यवाही में सूचनातंत्र के रूप में

C. क्रांतिकारी आंदोलन में महिलाऐं

A. प्रीतिलता वाडेकर, सुनीति चौधरी आदि ने हिंसक मार्ग को अपनाया।

B. सूचना प्रसारण में योगदान।

इस ~~प्रकार~~ प्रकार महिलाओं के बिना आजादी की ~~प्राप्ति~~ स्वतंत्रता संग्राम के ~~स्वरूप~~ स्वरूप को विकृत कर देती।

(e) 'हैदराबाद, जैसा कि यह है, भारत के उदर में स्थित था। अगर उदर को मुख्य शरीर से अलग कर दिया जाए तो उदर कैसे सांस ले सकता है?" विश्लेषण कीजिये।
'Hyderabad is, as it were, situated in India's belly. How can the belly breathe if it is cut off from the main body?' Analyze.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा उपरोक्त उद्धरण के माध्यम से हैदराबाद के महत्व को प्रकट किया गया।

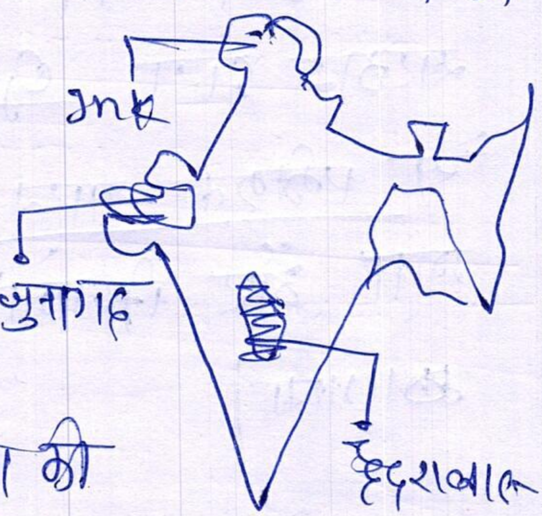

राष्ट्रीय एकीकरण में बाधा

1. हैद भारत के एकीकरण की जिम्मेदारी पटेल के हाथों में।

2. हैदराबाद की अवस्थिति से समस्या

A. चारों ओर से भारतीय राज्यों से घिरा होना।

B. हैदराबाद की अशांति का प्रभाव भारत में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

C० जनता का उद्देश्य लोकतांत्रिक शासन

D० समुद्र व हवाई मार्ग संबंधी बाधा।

E० प्रवासी समस्या।

४ इस प्रकार हैदराबाद की समस्या से असंतुष्ट जनता द्वारा स्वयं विद्रोह किया गया भारत सरकार द्वारा Operation Polo के माध्यम से एकीकृत भारत का हिस्सा बनाया गया और निजामों को प्रिवीपर्स दिया गया।

इसके साथ ही J&K को एक्सेशन-पत्र व जूनागढ़ को जनमत संग्रह के माध्यम से एकीकृत किया गया इस दृष्टि से पटेल भारत के बिस्मार्क कहते है।

6. (a) एक ही वैचारिक सूत्र था जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय राष्ट्रवाद के चरित्र को विकसित किया। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 20

There was a single ideological thread that cultivated the character of Indian Nationalism in India's struggle for freedom. Critically evaluate. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(b) भारत में समाजवादी आंदोलन के उद्देश्य और इसके उद्भव की मूलभूत परिस्थितियाँ क्या थीं? 15

What were the objective and pivotal conditions for the socialist movement in India? 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) जनजातियों के एकीकरण हेतु नेहरू की रणनीति "आदिवासी क्षेत्रों को प्रगति करनी है और वह प्रगति उन्हें अपने तरीके से करनी है" का विश्लेषण कीजिये। 15

Analyze Nehru's strategy, "the tribal areas have to progress," and "they have to progress in their own way," for the integration of tribes. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

7. (a) भारत में 19वीं शताब्दी में सामाजिक-धार्मिक सुधारों की जो प्रक्रिया प्रारंभ हुई वह औपनिवेशिक शासन की उपस्थिति का प्रभाव था न कि पाश्चात्य सभ्यता के संपर्क से उत्पन्न सामाजिक प्रतिरोध का। समीक्षा कीजिये। 20

The process of socio-religious reforms that began in India in the 19th century was the effect of the presence of colonial rule and not the social resistance created by the interaction of Western civilization. Review. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक विचारकों द्वारा "श्वेत नस्ल के भार का सिद्धांत" व "पैक्स ब्रिटानिका" के सिद्धांत से भारतीय सामाजिक सुधार आंदोलनों को लांछित करने का प्रयास किया जाता है।

श्वेत नस्ल के भार के सिद्धांत के अनुरूप भारत में सुधार का दायित्व अंग्रेजों पर था और इन सुधारों से भारत में शांति व विकास आयी (पैक्स ब्रिटानिका)।

हालांकि 19वीं सदी के सामाजिक धार्मिक सुधारों को राष्ट्रवादी अभिगम से देखे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जोन की आवश्यकता है -

सामाजिक धार्मिक सुधार - औपनिवेशिक शासन की आक्रोति का परिणाम

1. भूराजस्व की नीति, पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार (Act 1813), पत्रकारिता के आगमन से नवीन भारतीय मध्यवर्ग का उदय हुआ।

2. यह मध्यवर्ग पहले गुलामी के कारणों का विश्लेषण किया।

3. विश्लेषण का परिणाम भारत की सामाजिक-धार्मिक पिछड़ापन के रूप में सामने आया, जिसके कारण राष्ट्रीय एकता व राष्ट्रवाद सीमित थी।

4. राजाराममोहन राय द्वारा जातिगत व धार्मिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कट्टरता पर निशाना साधते हुए 'जातिगत-धार्मिक एकता को अद्वैतवाद में प्रकट किया गया।

6. सामाजिक आधार को व्यापक करने के लिए ज्योतिबा फुले द्वारा जातिगत भेदभाव को चैलेंज किया गया।

7. दयानंद सरस्वती व विवेकानंद द्वारा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पृष्ठभूमि तैयार की गयी।

8. रहनुमाये मजदस्यान द्वारा पारसी सुधार, सैय्यद अहमद खां द्वारा मुस्लिम धर्म सुधार, लाला हरदयाल द्वारा सिखधर्म सुधार को प्रेरित किया गया।

9. शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की गयी, कलकत्ता संस्कृत कॉलेज, बनारस हिंदू कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय।

दृष्टि The Vision

6. पत्रकारिता का प्रयोग — आनंदमठ, संवाद कौमुदी, नील दर्पण,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पाश्चात्य सभ्यता से सामाजिक प्रतिरोप का परिणाम नहीं

1. राजाराममोहन राय द्वारा पूर्व-पश्चिम की सामान्य दृष्टिकोण की प्रेरणा।

2. पश्चिमी शिक्षा, प्रबोधन के आदर्श का प्रभाव — मानवतावाद, पत्रकारिता, राष्ट्रवाद

3. विवेकानंद — "भारत पश्चिम को आध्यात्म दे सकता है और पश्चिम, भारत को तकनीक"

4. आर्थिक विश्लेषण की पद्धति
RC दत्त — "Economic History of India"

6. पत्रकारिता लाने में क्रांतिकारियों का योगदान

इस प्रकार भारतीयों ने पश्चिम के हथियार से पश्चिम की बेड़ियाँ तोड़कर आजादी प्राप्त की।

दृष्टि The Vision

(b) लैंड होल्डर्स सोसाइटी से कॉन्ग्रेस की स्थापना के बीच की प्रमुख राजनीतिक संस्थाओं का संक्षिप्त विवरण देते हुए भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना में इनकी भूमिका का अवलोकन कीजिये। 15

Giving a brief description of the major political institutions between the establishment of the Congress from the Landholders Society and discuss their role in the establishment of the Indian National Congress. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लैंड होल्डर्स सोसाइटी (LHS) भारत (आधुनिक) की पहली भारतीय राजनीतिक संस्था थी, जो नाम से स्पष्ट है कि जमींदारों के हितों से संचालित थी।

यह जमींदारों के हितों को अंग्रेजी शासन तक पहुँचाने व नीति निर्माण में भारतीय Input का ~~क्ष~~ कार्य करती थी।

निश्चित ही यह संस्था आम भारतीयों के विषयों, मुद्दों तथा हितों से संचालित नहीं थी। ~~इसमें जमींदार थे~~

इसके पश्चात अधिक भारतीय हितों से संचालित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दल — ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन की स्थापना की गयी।

यह संस्था जमींदारों से संचालित नहीं थी किंतु यह आंशिक तौर पर ब्रिटिश नौकरशाह गैर अधिकारिक एंग्लो भारतीय व संभ्रांत भारतीयों की संस्था थी जो भारतीय विषयों के बारे में अंग्रेजी शासन को जानकारी देती थी।

इसके पश्चात प्रमुख संस्था के रूप में इंडियन एसोसिएशन व इंडियन लीग की स्थापना की गयी। इसमें सुरेंद्र नाथ बनर्जी का विशेष योगदान था।

इसके द्वारा वर्नाकुलर प्रेस अधिनियम, सिविल सेवा की अधिकतम आयु 19 वर्ष करने

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का विरोध किया गया इसके भारतीयकरण के लिए विरोध प्रदर्शन किये गये।

राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना बंगाल तक सीमित नहीं थी। वास्तव में मद्रास महाजन सभा तथा बॉम्बे एसोसिएशन की स्थापना की गयी। दोनों ने 1892 के अधिनियम से निर्वाचन प्रक्रिया के लिए ब्रिटिश सरकार को सिफारिशों से युक्त पत्र लिखा।

इनके क्रमिक प्रक्रिया के रूप में 1885 (Dec) में A O ह्यूम के द्वारा INC की स्थापना की गयी। वास्तव में यह तर्क दिया जाता है कि INC की स्थापना ~~दिमाग~~ औपनिवेशिक ~~दिमाग~~ दिमाग की उपज थी व A O ह्यूम का प्रयोग दबाव को मुक्त करने के लिए किया गया किंतु यह क्रमिक विकास कांग्रेस की स्थापना को राजनीतिक चेतना के विकासक्रम के रूप में प्रकट करता है।

(c) गांधी-इरविन समझौता गांधीवादी आंदोलन के समर्पण का प्रतीक था, जो भारतीय पूंजीपतियों के ढुलमुल स्वभाव एवं गांधी जी के उनके दबाव में आकर निर्णय लेने का प्रमाण था। आलोचनात्मक टिप्पणी करें। 15

The Gandhi-Irwin pact was a symbol of the dedication of the Gandhian movement, which was a testimony to the wavering nature of the Indian capitalists and the decision taken by Gandhiji under their pressure. Critically Comment. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्ष 1931 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के पश्चात गांधी-इरविन समझौता सामने आया। इस समझौते से पूर्व के उद्देश्य और व समझौते के प्रावधान में अंतर पाया गया, जिनके कारण यह आरोप लगता है कि यह भारतीय पूंजीवादी हितों से संचालित गांधी थी।

गांधी जी के 14 सूत्रीय मांग

1. नमक पर सबका अधिकार, नमक कानून को तोड़ना / भंग करना।
2. किसानों के भूराजस्व में 50% की कमी
3. भारतीय उद्योगों को औपनिवेशिक सरकार द्वारा संरक्षण देना।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4. राजनीतिक कैदियों की रिहाई।

गांधी-इरविन समझौता का परिणाम।

A. केवल राजनीतिक कैदियों को स्वतंत्र किया गया।

B. भूराजस्व में कटौती की मांग को ध्यान नहीं

C. उद्योगों को संरक्षित करने का आश्वासन

D. गोलमेज सम्मेलन में गांधी जी की भागीदारी।

E. नमक कानूनों की समाप्ति

F. पुलिस कार्यवाही की स्वतंत्र जाँच नहीं।

क्या यह गांधीवादी आंदोलन का समर्पण है?

1. पूंजीवादियों के ~~कुछ~~ ढुलमुल ~~स्व~~भाव का परिणाम

A. यह तर्क आंशिक रूप से सत्य है कि पूंजीपति लंबे समय के नुकसान से नहीं

दृष्टि The Vision

निपर सकती थी।

B. किंतु, भारतीय पूंजीपतियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पूरे मन से सहयोग किया जिसका प्रमाण 'बॉम्बे प्लान' था, जो समाजवादी विचारों को भी लिए हुए थी।

2. गांधीवादी रणनीति न कि समर्पण

A. सेफ्टी वाल्व के माध्यम से अधिक मांगों को रखना

B. सुराज्य की आधी कौती आदर्शवाद थी, साथ ही इसकी पूर्ति से स्वतंत्रता संग्राम का सामाजिक आधार कम हो जाता।

C. पूंजीपतियों का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान आवश्यक था।

इस बात पर भी गांधी जी की आलोचना की जाती है कि वे भगतसिंह को फांसी से नहीं बचा सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

8. (a) क्या आप इस मत से सहमत हैं कि वर्तमान भारत में हो रहे कृषक विद्रोह और औपनिवेशिक शासन के समय कृषक विद्रोहों के कारण लगभग एकसमान है? समीक्षा कीजिये। 20

Do you agree with the view that the causes of peasant uprisings happening in present India and during colonial rule were the same? Review. 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2020 में पारित विवादास्पद तीन कृषि सुधार कानूनों की प्रतिक्रिया में किसानों द्वारा दिल्ली कूच किया गया, तो विभिन्न बौद्धिक वर्ग के लोगों ने इसे औपनिवेशिक शासन के कृषक विद्रोह के समान बताया।

विद्रोह की समानता का तर्क

1. आजादी के बाद ऐसा पहला उग्र किसान प्रदर्शन।

2. किसान प्रदर्शन का दिल्ली में प्रवेश, जोकि 15 अगस्त के दिन और लाल किला में प्रवेश।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. 6 माह से 1 वर्ष तक चली किसान विरोध।

4. किसानों की मांगों की अनुरूपता में किसान कानूनों की वापसी।

6. पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तरप्रदेश के किसानों का समन्वित प्रयास।

विरोध व प्रदर्शन की समानता कुतर्क का परिणाम

1. भारत में औपनिवेशिक शासन की समाप्ति हो चुकी है। भारत ~~संविधान~~ संविधान की सर्वोच्चता से संचालित देश है।

2. केंद्र सरकार, भारत की जनता द्वारा बहुमत से चुना गया है। संसद का गठन भारतीय प्रतिनिधियों से होता है, जबकि औपनिवेशिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

काल में निर्वाचन सीमित था, औपनिवेशिक हितों से संचालित वायसराय द्वारा लागू होता था, ब्रिटिश संसद द्वारा भारत के लिए अधिनियम पारित किये जाते थे।

c. औपनिवेशिक काल में किसान विद्रोहों का कारण किसानों की आर्थिक हितों से संचालित नहीं था, बल्कि गांधीवादी आंदोलन से जुड़े, संस्थाओं के निर्माण होने जैसे अवध किसान सभा, के माध्यम से औपनिवेशिक गुलामी से मुक्त होने का व्यापक उद्देश्य था।

D. औपनिवेशिक काल में किसानों का शोषण भूराजस्व की नीतियों जमींदारी -स्थायी बंदोबस्त, रैय्यतवाड़ी -महाजनी शोषण के कारण होता था।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जबकि, स्वतंत्र भारत में जमींदारी उन्मूलन कानून, महाजनों के विस्थापन के लिए बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आर्थिक समावेशन से युक्त है। साथ भूराजस्व / या कृषिकर नहीं है, जिससे किसान लाभ की स्थिति में है।

6 किसान सुधार कानूनों का उद्देश्य कृषि बाजार के आधुनिकीकरण, कृषि आय को दोगुना करने के लक्ष्यों से संचालित था।

इस प्रकार वर्तमान दशा में विरोध प्रदर्शन व अभिव्यक्ति का अधिकार, नीति में असहमति पर सरकार गिराया जा सकता है (अविश्वास प्रस्ताव) व नये सरकार के चयन की स्वतंत्रता है। यह लोकतांत्रिक विकृति है, जो दोनों परिस्थितियों को समान बनाए।

दृष्टि The Vision

(b) भारतीय पुनर्जागरण में यदि नारी मुक्ति उन्मुख प्रयास नहीं हुए होते तो शायद राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप कुछ भिन्न होता। टिप्पणी कीजिये। 15

If the women's liberation-oriented efforts had not taken place in the Indian Renaissance, perhaps the nature of the national movement would have been somewhat different. Comment. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नारी किसी भी देश की आबादी के 50% का प्रतिनिधित्व करती है। औपनिवेशिक शोषण से नारी भी समान रूप से शोषित थी साथ सामाजिक रूढ़िवादी मान्यताओं से इन पर शोषण का दोहरा बोझ था।

ऐसे में नारी मुक्ति उन्मुख प्रयास के माध्यम से सामाजिक एकता को बढ़ाकर औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संयुक्त बल को प्रबल करना था।

नारी मुक्ति उन्मुख प्रयास

1. राजा राममोहन राय द्वारा सती प्रथा विरोधी अभियान (→ बेंटिंक के सहयोग से

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सती प्रथा उन्मूलन अधिनियम, 1829।

2. केशवचंद्र सेन के प्रयास से बाल विवाह की आयु में वृद्धि का वैधानिक प्रयास महिला 14 वर्ष पुरुष 18 वर्ष।

3. ईश्वरचंद्र विद्यासागर द्वारा बाल/महिला शिक्षा की प्रेरणा – बेथ्युन कॉलेज की स्थापना।

4. विद्यासागर द्वारा – विधवा पुनर्विवाह अधि. 1856

5. वुड घोषणापत्र में – महिला शिक्षा का प्रावधान किया।

6. भ्रूण हत्या विरोधी कानून को डलहौजी द्वारा पारित किया गया।

7. सम्मति आयु अधिनियम, लैन्सडोनी एक्ट से उत्तराधिकार में अधिकार।

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नारी मुक्ति आंदोलन से राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप

A. स्वदेशी आंदोलन के द्वारा महिलाओं की प्रारंभिक भागेदारी → रक्षाबंधन उत्सव

B. कांग्रेस की महिला नेत्री → सरोजनी नायडू → सविनय अवज्ञा
→ एनी बेसेंट → होमरूल लीग
→ अरुणा आसफ अली → भारत छोड़ो आंदोलन

C. क्रांतिकारी गतिविधियों में → गुप्त सूचना प्रणाली
→ प्रितिलता वाडेदार
→ सुनीति चौधरी

D. गांधीवादी आंदोलन → रचनात्मक गतिविधियों में, महिला सत्याग्रह में → असहयोग, सविनय अवज्ञा

बिना नारी के सहयोग के स्वतंत्रता अधूरा रहता, संविधान में महत्वपूर्ण व समानता का स्थान मिलना नारी की राष्ट्र में भूमिका को प्रकट करती है।

दृष्टि The Vision

(c) कॉन्ग्रेस के निर्माण में ह्यूम का उद्देश्य शिक्षित भारतीयों के असंतोष के निकास के लिये सुरक्षा कपाट बनाने मात्र से कहीं अधिक, वास्तविक एवं निष्कपट था। परीक्षण कीजिये। 15

Hume's purpose in building the Congress was more real and honest than the mere creation of a safety valve to suppress the dissatisfaction of educated Indians. Examine. 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लाल लाजपत राय द्वारा कॉंग्रेस की आलोचना करते हुए सेफ्टी वाल्व सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया।

~~सेफ्टी~~

सेफ्टी वाल्व सिद्धांत

1. ह्यूम का प्रयोग करके भारतीय दबाव को शांतिपूर्ण निकलने का स्थान दिया गया।

2. वस्तुतः भारत में दूसरी 1857 का विद्रोह न हो सके, असंतुष्टि को राजनीति मार्ग मिल सके इसलिए कॉंग्रेस की स्थापना।

3. कॉंग्रेस की स्थापना डफरिन की दिमाग की उपज है, जो उदारवादियों के माध्यम से

दृष्टि The Vision

सीमित है।

इसके विरोध में 'तड़ित चालक का सिद्धांत' प्रतिपादित किया गया।

तड़ित चालक का सिद्धांत

A. उदारवादी का प्रयोग अंग्रेजी दमन से बचने के रूप में

B. यदि कांग्रेस प्रारंभ से ही उग्र रूप में होती तो औपनिवेशिक सरकार द्वारा इसका दमन आसान होता है।

C. इसलिए उदारवादी का प्रयोग गुब्बारे के रूप में

क्रमिक विकास का सिद्धांत

1. INC से पूर्व भारत में विभिन्न राजनीतिक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संगठनों का निर्माण हो रहा था, इंडियन लीग मद्रास महाजन सभा।

2. कांग्रेस राजनीतिक जागरण का प्रतीक व स्वाभाविक उत्पत्ति।

वास्तव में लाला लाजपत राय का दृष्टिकोण उदारवादी-उग्रवादी संघर्ष का परिणाम था। जो कि सूरत विभाजन में सामने भी आया।

कांग्रेस डफरिन की उपज नहीं थी, क्योंकि डफरिन इसे मुट्ठीभर लोगों का संगठन मानता था, तो साथ ही कर्जन इसी मृत्यु देखना चाहता था।

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

दृष्टि The Vision

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)